बाबा श्री चंद्र देव भगवान की अरदास

हरि ॐ तत्सत हरि ॐ तत्सत हरि ॐ तत्सत।

ॐ अखंड अद्वैत सत स्वरूप जी के चरण कमलों में महान महिमा का ध्यान धर कर बोलो जी श्री चंद्र हरे ।

श्री सद्गुरु सनकादिक अविनाशी मुनि निर्वाण देव जी के चरण कमलों का ध्यान धर कर बोलो जी ,,,,,,,

सिद्धेश्वर योगीराज बाबा बनखंडी साहिबजी , त्यागी निर्वाण देव प्रीतम दासजी , पवित्र गोला साहबजी, ध्वजा साहबजी के चरण कमलों का ध्यान धर कर बोलो जी ,,,,,,

चार वेद ,अठारह पुराण, श्रीमद् भागवतगीताजी, श्री रामायणजी, छठ शास्त्र, चारों धाम, चौरासी सिद्ध चौबीस अवतारों का ध्यान धर कर बोलो जी ,,,,,

चार धूना ,छै बख्शीष ,श्री शेष भगवानजी के चरण कमलों का ध्यान धर कर बोलोजी ,,,,,,,,

श्री गंगा ,यमुना, सरस्वती, गोदावरी, त्रिवेणी ,काशी ,प्रयागराज , विश्वनाथ, माता अन्नपूर्णा, सर्व तीर्थकार, सर्व देवी देवताओं के चरण कमलों का ध्यान रखकर बोलो जी ,,,, ,,

द्वादश ज्योतिर्लिंग , आत्म लिंग, तैंतीस कोटि देवी देवता , गुरु परमात्मा जी के चरण कमलों का ध्यान धर कर बोलो जी ,,,,,,,,

सर्वत्र महामंडलेश्वर, संत ,महंत ,विरक्त ,परमहंस, नागा, निर्वाण, त्यागी, तपस्वी, ज्ञानी, ध्यानी, हटी, बाटी, योगी ,यतिजी के चरण कमलों का ध्यान धर कर बोलो जी,,,,,,,

सर्व मुनि महात्मा (समयानुसार) संध्या ,गायत्री ,पूजा ,धूप ,दीप, आरती, भजन कीर्तन की अरदास, जगतगुरु श्री चंद्र भगवानजी के कर कमलो के पास ,भूल चूक माफ, सच अखंड प्रमाण ,देश की लाज, वाणी की टेक, साधु संत का संग, हरि नाम का रंग ,भजन वाणी का प्रकाश ,दुख कलेश पाप का नाश ,धर्मी राजा राज करें , प्रजा सुखी बसे ,अडे सो झड़े, संत शरण पड़े सो तरें । जगतगुरु श्री चंद्र भगवान चढ़दी दी कला ,तेरी माने सर्वत्र का हो भला ।

बोलो जी श्री श्री 1008 स्वामी श्री चंद्र भगवान की जय।

जय श्री चंद्र हरे।